सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-501
16/10/2017

मुख्यमंत्री ने छठ महापर्व के पूर्व गंगा घाटों का निरीक्षण किया

पटना, 16 अक्टूबर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व के मद्देनजर छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टीमर से दानापुर के नासरीगंज से पटना सिटी के कंगन घाट तक गंगा घाटों का निरीक्षण किया और घाटों की सफाई, सुरक्षा एवं स्वच्छता के संबंध में पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने स्टीमर पर पहुँचते ही गंगा घाट के नजरी मानचित्र का अवलोकन किया। लगभग तीन घंटे तक नासरीगंज से कंगन घाट के बीच अवस्थित सभी छठ घाटों का मुख्यमंत्री ने सूक्ष्म रूप से अवलोकन किया और लगातार अधिकारियों को दिशा–निर्देश देते रहे ताकि छठव्रतियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव को निर्देश दिया कि बॉस घाट से कलेक्ट्रेट घाट को एक रोड से जोड़ा जाय ताकि बॉस घाट से जिन लोगों को पैदल चलना पड़ता है, उन्हें सहुलियत हो सके। उन्होंने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव को यह भी निर्देश दिया कि कलेक्ट्रेट घाट से गंगा मेन नदी तक कच्ची सड़क बनायी जाय ताकि लोगों को कम पैदल चलना पड़े और छठ व्रतियों को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने गंगा घाटों के निरीक्षण के क्रम में घाटों की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। कुर्जी एवं एल0सी0टी0 घाट के निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी इसमें और अधिक काम करने की आवश्यकता है। इसमें अभी और जे0सी0बी0 लगाना होगा और तीव्र गति से कार्य कराना जरूरी है। घाटों पर अच्छी ड्रेसिंग की भी आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन घाटों पर सीढ़ी का कॉन्सेप्ट नहीं है, वहॉ अच्छे से स्लोप बनाया जाय ताकि छठ व्रतियों को घाटों तक पहुँचने में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों तक पहुँचने की कनेक्टिविटी भी दुरूस्त की जाय। पाटीपुल घाट को देखने के क्रम में उन्होंने कहा कि पानी के लेवेल को देखकर वहॉ बैरिकेटिंग सुनिश्चित करायी जाय। मिनार घाट तथा दीघा घाट के निरीक्षण के क्रम में ड्रेसिंग को और अच्छा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने दीघा घाट पर चल रहे ड्राइव–वे निर्माण का जिक्र करते हुये कहा कि अगर ड्राइव–वे के किनारे पेड़ लग जायेंगे तो बहुत ही अच्छा हो जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहॉ भी श्रद्धालु भारी संख्या में अर्घ्य देने के लिये आते हैं, उन्हें अर्घ्य देने में असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजापुर घाट और पहलवान घाट की दूरी मुख्य सड़क से मात्र एक किलोमीटर है और दोनों घाटों के बीच करीब पॉच सौ मीटर का ही फासला है, जिसको देखते हुये दोनों घाटों पर छठ व्रतियों की पूरी सुविधा का ख्याल रखते हुये घाट को तैयार किया जाय। उन्होंने कहा कि इन घाटों पर छठ व्रतियों की तादाद ज्यादा होती है। उन्होंने कहा कि छठ व्रती के अतिरिक्त दूसरे परिवार के श्रद्धालु आते हैं, इसके कारण होने वाली भीड़ को देखते हुये आवागमन को दुरूस्त रखना होगा। इस संबंध में भी उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री दानापुर के नासरीगंज से पटना सिटी के कंगन घाट तक गंगा तटों पर चल रहे छठ घाटों की अब तक तैयारी से संतुष्ट नजर आये और मौके पर मौजूद बुडको एवं नगर निगम के अधिकारियों को छठ घाटों तक एप्रोच्च रोड, बिजली, साफ–सफाई का समुचित इंतजाम करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ लोक आस्था का महापर्व है और बिहारवासियों के लिये विशिष्ट पर्व है। इस अवसर पर उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जायेगी।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के क्रम में जल संसाधन तथा योजना एवं विकास मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, मेयर पटना नगर निगम श्रीमती सीता साहू, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव जल संसाधन श्री अरूण कुमार सिंह, प्रधान सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी, प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, प्रधान सचिव ऊर्जा श्री प्रत्यय अमृत, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग श्री चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, सचिव ग्रामीण कार्य सह लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, आई0जी0 पटना श्री नैयर हसनैन खान, जिलाधिकारी पटना श्री संजय कुमार अग्रवाल, वरीय पुलिस अधीक्षक पटना श्री मनु महाराज, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित पटना नगर निगम, बुडको एवं बिहार राज्य जल पर्षद के वरीय पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

******